Knowledge is Power
ज्ञान • सामर्थ्य • उद्यमिता
Centre of Technology & Entrepreneurship Development

HCL
HCL FOUNDATION

प्रशिक्षण मॉड्यूल - 2

डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण

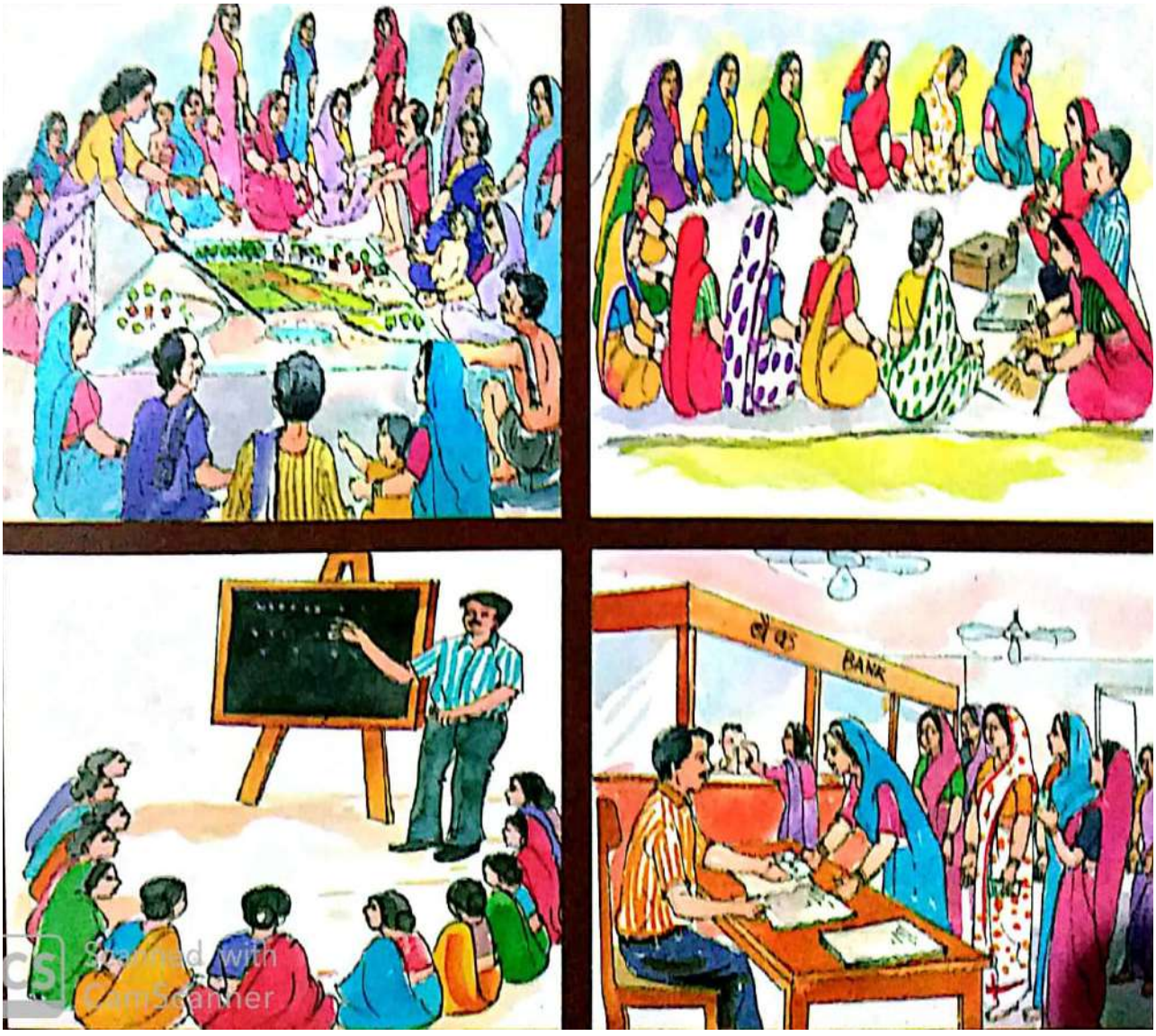

Scanned with CamScanner

Samuday

मॉड्यूल - 2

कुल अवधि - 8 घंटा

दिवस	समय अवधि	प्रशिक्षण सत्र का विषय	प्रशिक्षण विधि	प्रशिक्षण सामग्री
पहला दिन	10 मिनट	प्रार्थना	सहभागिता	--------
पहला दिन	10 मिनट	प्रशिक्षण का उद्देश्य	सहभागिता	----------
पहला दिन	50 मिनट	घरेलू वित्तीय आय-व्यय व उनके बचत प्रबंधन	रोल प्ले, बड़े समूह में परिचर्चा, व्याख्यान, वीडियो, प्रश्न-उत्तर, रिंग एवं सिक्का का गेम	नकली रूपए, चार्ट, मार्कर, रिंग, सिक्का, दृश्य-श्रव्य सामग्री
पहला दिन	60 मिनट		<u>केस स्टडी</u> प्रगति लघु फिल्म कृषि में वित्तीय साक्षरता एनिमेटेड" वृत्तचित्र घरेलू वित्तीय योजना, बचत और बजट वृत्तचित्र	चार्ट पेपर, मार्कर, ओवरहेड प्रोजेक्टर, दृश्य-श्रव्य सामग्री
पहला दिन	10 मिनट	टी टाइम	--------	--------
पहला दिन	40 मिनट	बचत बैंकिंग	रोल प्ले, बड़े समूह में परिचर्चा, व्याख्यान, वीडियो, प्रश्न-उत्तर,	पासबुक, फ्लिप चार्ट, मार्कर, चैकबुक, ओवरहेड प्रोजेक्टर, बैंक ड्राफ्ट, दृश्य-श्रव्य सामग्री
पहला दिन	60 मिनट		<u>केस स्टडी</u> उड़ान वृत्तचित्र सुखी और दुखी वित्तीय योजना एनिमेटेड" वृत्तचित्र	चार्ट पेपर, मार्कर, ओवरहेड प्रोजेक्टर, दृश्य-श्रव्य सामग्री
दूसरा दिन	10 मिनट	प्रार्थना	सहभागिता	--------
दूसरा दिन	50 मिनट	अपना उद्यम शुरू करने के लिए वित्तीय	रोल प्ले, बड़े समूह में परिचर्चा, व्याख्यान, वीडियो, प्रश्न-उत्तर,	फ्लिप चार्ट, मार्कर, ओवरहेड प्रोजेक्टर, सैंपल बीमा पॉलिसी, सैंपल

		समावेशन योजनाएं		जन धन खाता, दृश्य-श्रव्य सामग्री
दूसरा दिन	60 मिनट		<u>केस स्टडी</u> वित्तीय समावेशन एनिमेटेड फिल्म गिन्नी एक समाजदार दोस्त एनिमेटेड" फिल्म	चार्ट पेपर, मार्कर, ओवरहेड प्रोजेक्टर, दृश्य-श्रव्य सामग्री
दूसरा दिन	10 मिनट	टी टाइम	--------	--------
दूसरा दिन	50 मिनट	डिजिटल वित्तीय साक्षरता	रोल प्ले, बड़े समूह में परिचर्चा, व्याख्यान, वीडियो, प्रश्न-उत्तर,	फ्लिप चार्ट, मार्कर, ओवरहेड प्रोजेक्टर, एटीएम कार्ड, मोबाइल बैंकिंग सेट, दृश्य-श्रव्य सामग्री
दूसरा दिन	60 मिनट		<u>केस स्टडी</u> डिजिटल वित्तीय साक्षरता | यूपीआई भुगतान	चार्ट पेपर, मार्कर, ओवरहेड प्रोजेक्टर, दृश्य-श्रव्य सामग्री

प्रार्थना-चेतना गीत

इतनी शक्ति हमें देना दाता, मनका विश्वास कमजोर हो ना
हम चलें नेक रस्ते पे, हमसे भूलकर भी कोई भूल हो ना

दूर अज्ञान के हो अँधेरे, तू हमें ज्ञान की रौशनी दे
हर बुराई से बचके रहें हम, जीतनी भी दे भली ज़िन्दगी दे
बैर हो ना किसी का किसी से, भावना मन में बदले की हो ना

हम चलें नेक रस्ते पे, हमसे भूलकर भी कोई भूल हो ना.....

हम न सोचें हमें क्या मिला है, हम ये सोचें क्या किया है अर्पण
फूल खुशियों के बांटें सभी को, सबका जीवन ही बन जाए मधुबन
अपनी करुणा को जल तू बहा के, करदे पावन हर एक मन का कोना

हम चलें नेक रस्ते पे, हमसे भूलकर भी कोई भूल हो ना.....

हर तरफ़ ज़ुल्म है बेबसी है, सहमा-सहमा सा हर आदमी है
पाप का बोझ बढ़ता ही जाए, जाने कैसे ये धरती थमी है
बोझ ममता का तू ये उठा ले, तेरी रचना का ये अंत हो ना

इतनी शक्ति हमें देना दाता.....

प्रार्थना

प्रशिक्षक को सर्वप्रथम प्रतिदिन सदस्यों से खड़े होकर प्रार्थना के लिए कहना चाहिए। यह प्रार्थना सदस्यों के सहमति से गाना चाहिए। सदस्यों को कोई भी प्रार्थना याद नहीं रहने की स्थिति में प्रशिक्षक को इस प्रशिक्षण मॉड्यूल के शुरुवात में दिए गए चेतना गीत के मदद से प्रार्थना की शुरुवात करना चाहिए।

प्रशिक्षण का उद्देश्य

प्रार्थना सत्र के संचालन के पश्चात प्रशिक्षक प्रशिक्षण का उद्देश्य एवं सत्र परिचय विश्तृत रूप से करना चाहिए। डिजिटल वित्तीय सेवाओं का मुख्य उद्देश्य डिजिटल चैनल के माध्यम से वित्तीय सेवाएं प्रदान करना है ।

समय अवधि: 20 मिनट

स्वयं सहायता समूह में वित्तीय समावेशन

घरेलू वित्तीय आय-व्यय व उनके बचत प्रबंधन

एक परिवार में वित्तीय आय-व्यय प्रबंधन में आमतौर पर अपनी आय से पैसा अलग रखना, जरूरत पड़ने पर ऋण लेना, संपत्ति खरीदना आदि शामिल होता है। लेकिन गरीब होने के कारण उनके पास सीमित विकल्प होते हैं और औपचारिक वित्तीय संस्थानों तक सीमित पहुंच भी होती है। ऐसी परिस्थितियों में, उन्हें पता होना चाहिए कि अपने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अपने वित्तीय आय-व्यय का प्रबंधन कैसे करें। यह मॉड्यूल समूह सदस्यों को उनकी जरूरतों और चाहतों और उन्हें पूरा करने के तरीकों के बारे में बताता है

समूह के सदस्यों की आमदनी एवं खर्च (आय-व्यय)

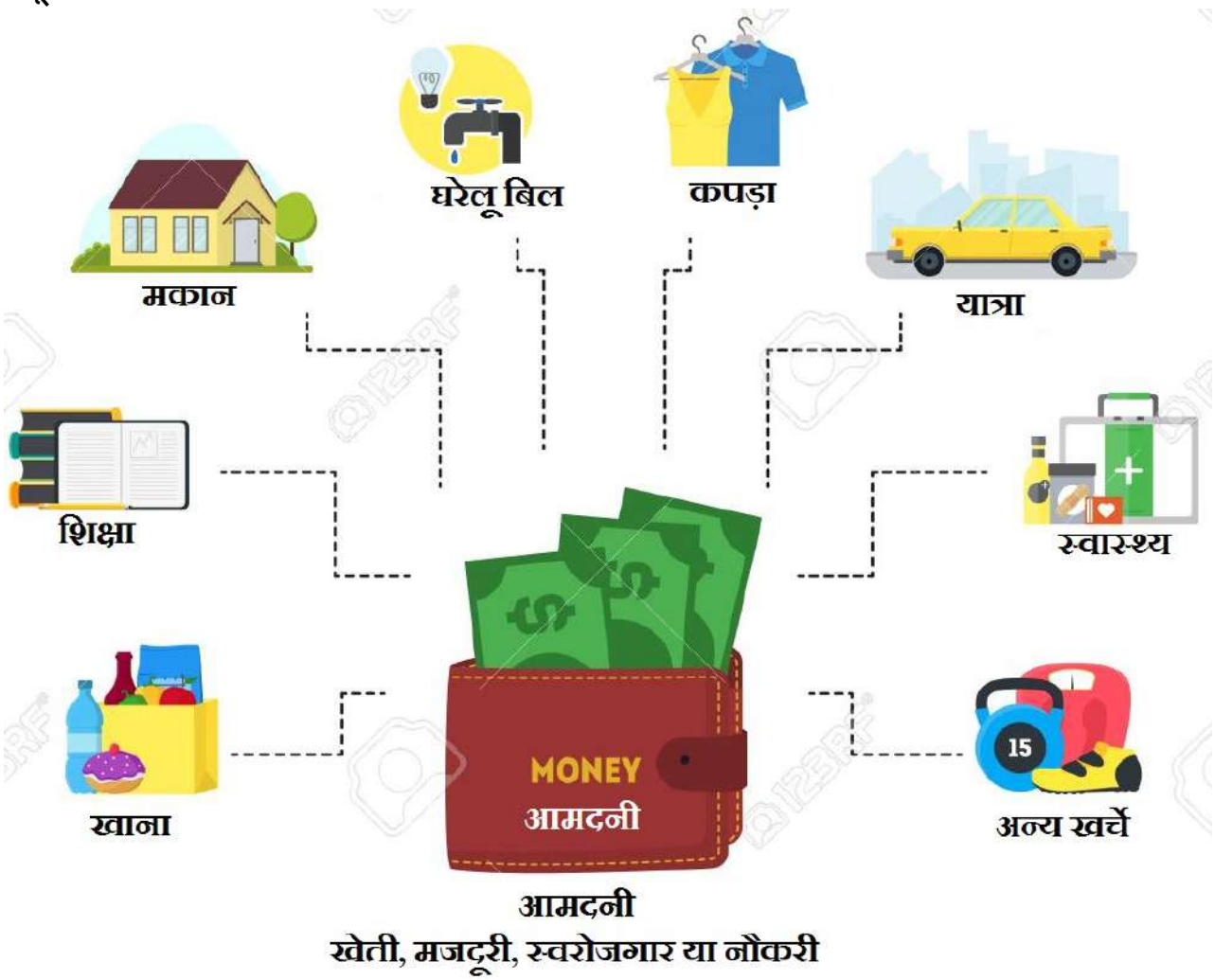

उद्देश्य: स्व-सहायता समूह के सदस्यों में घरेलू वित्तीय बजट व उनके प्रबंधन की प्रक्रिया, दिक्कते एवं समस्या के समाधान के प्रति जागरूकता उत्पन करना

तथ्य / विषय :

- **आमदनी**
- **खर्च**
- **बचत**
- **कर्ज**

प्रक्रिया प्रशिक्षण सामग्री :

1. नकली रूपए 2.चार्ट, 3.मार्कर, 4.रिंग 5.सिक्का 6.ओवरहेड प्रोजेक्टर 7.दृश्य-श्रव्य सामग्री

समय अवधि: 50 मिनट

प्रशिक्षण का तरीका :

- **रोल प्ले, खेल**
- **वित्त बचत प्रबंधन प्रशिक्षण का तरीका, बड़े समूह में परिचर्चा, व्याख्यान, वीडियो, प्रश्न - उत्तर, रिंग एवं सिक्का का गेम। ट्रेनर को उपरोक्त तरीका प्रयोग करने का निर्देश -**

प्रश्न :

- **आय-व्यय चित्र दिखा कर पूछे की घर में कौन - कौन से खर्च होते है।**
- **आय-व्यय चित्र दिखा कर पूछे की घर में आमदनी कहाँ - कहाँ से होती है।**
- **बचत का सदस्य क्या उपयोग करेंगे।**
- **बचत कहाँ व कैसे किया जाता है।**
- **बचत कहाँ लिखा जाता है।**
- **बिना आवश्यकता के अत्यधिक घरेलू खर्च व बचत न होने पर होने वाली घरेलू समस्याओं पर बड़े समूह में परिचर्चा करना।**

ट्रेनर को सदस्यों से अपेछित उत्तर जानने के बाद निम्न तरह से व्याख्या करना चाहिये -

- बचत की आदत रखना
- नियमित बचत करना
- घर के मुख्य जरूरत के सामानों पर ही खर्च करना।
- प्रति माह अपनी आमदनी का २५% बचत करना।
- अपनी बचत का पैसा अपने बैंक के बचत खातों में रखना,
- अपने किये गए नियमित बचत व खर्च को अपने घर के बनाये हुए बहीखाता में प्रतिदिन लिखना।

केस स्टडी -

- "प्रगति" - वित्तीय साक्षरता पर पुरस्कार विजेता लघु फिल्म"
- कृषि में वित्तीय साक्षरता एनिमेटेड" वृत्तचित्र
- घरेलू वित्तीय योजना, बचत और बजट वृत्तचित्र

संसाधन की उपलब्धता आधार पर वीडियो दिखाएं व इस पर चर्चा करे।
वीडियो दिखाते समय इसे बीच - बीच में रोक -रोक कर इस पर समझ बनाने की कोशिश करें।
समय अवधि: 60 मिनट
इस केस स्टडी का लिंक:

- https://youtu.be/stsyQ23A2Do - "प्रगति"
- https://youtu.be/6Ml5n4sPaa4 - कृषि में वित्तीय साक्षरता
- https://youtu.be/L-f2E4xSo8o - घरेलू वित्तीय योजना, बचत और बजट

पूछें: वीडियो दिखाने के उपरान्त पूछे जाने वाले प्रश्न:-

प्रश्नावली:

- वीडियो देख कर आपने क्या समझा व जाना
- बचत कहाँ व कैसे किया जाता है।
- बचत का सदस्य क्या उपयोग करेंगे।
- बचत के साथ-साथ सरकार की और कौन कौन सी सहायक योजना है
- वित्तीय प्रबंध न होने पर उससे होने वाले जोखिम पर चर्चा करना
- घरेलू आय-व्यय कौन -कौन से है।
- सदस्यो की अपने अपने व्यवसाय करने की कौन-कौन सी दक्षता है।

बचत बैंकिंग

बचत की आदत रखना यह बैंकिंग से होने वाले लाभ का सर्वाधिक महत्तपूर्ण घटक है। बैंकिंग से लोगो को बचत की आदत लगती है, जोकि भविष्य के लिहाज से लाभदायक होती है। बचत धन का संरक्षण है। बचत की विधियों से धन को अलग करके किसी बैंक या बचत योजना में रखना या लगाना शामिल है। बचत में व्यय जैसे बारम्बार होने वाला खर्चे को कम करना भी शामिल है।

उद्देश्य : स्व-सहायता समूह के सदस्यों में घरेलू वित्तीय बचत बैंकिंग व उनके प्रबंधन की प्रक्रिया, दिक्कते एवं समस्या के समाधान के प्रति जागरूकता उत्पन करना है।

तथ्य / विषय :

- बचत
- बैंक
- बैंक खाता
- पासबुक

प्रक्रिया प्रशिक्षण सामग्री :

1. पासबुक 2.फ्लिप चार्ट 3.मार्कर, 4.चैक बुक, 5.ओवरहेड प्रोजेक्टर 6.बैंक ड्राफ्ट 7. दृश्य-श्रव्य सामग्री

समय अवधि: 40 मिनट

प्रशिक्षण का तरीका :

- रोल प्ले,
- बचत प्रबंधन प्रशिक्षण का तरीका, बड़े समूह में परिचर्चा, व्याख्यान, वीडियो, प्रश्न - उत्तर,। ट्रेनर को उपरोक्त तरीका प्रयोग करने का निर्देश -

घर में नकदी रखने के जोखिम

असुरक्षित

धन चोरी हो सकता है या प्राकृतिक आपदा के कारण नष्ट हो सकता है ।

वृद्धि के अवसर को खोना

ब्याज आय की हानि

ऋण की पात्रता नहीं

बैंक में जमा राशि ऋण की पात्रता उत्पन्न करती हैं

बैंक क्यों आवश्यक है?

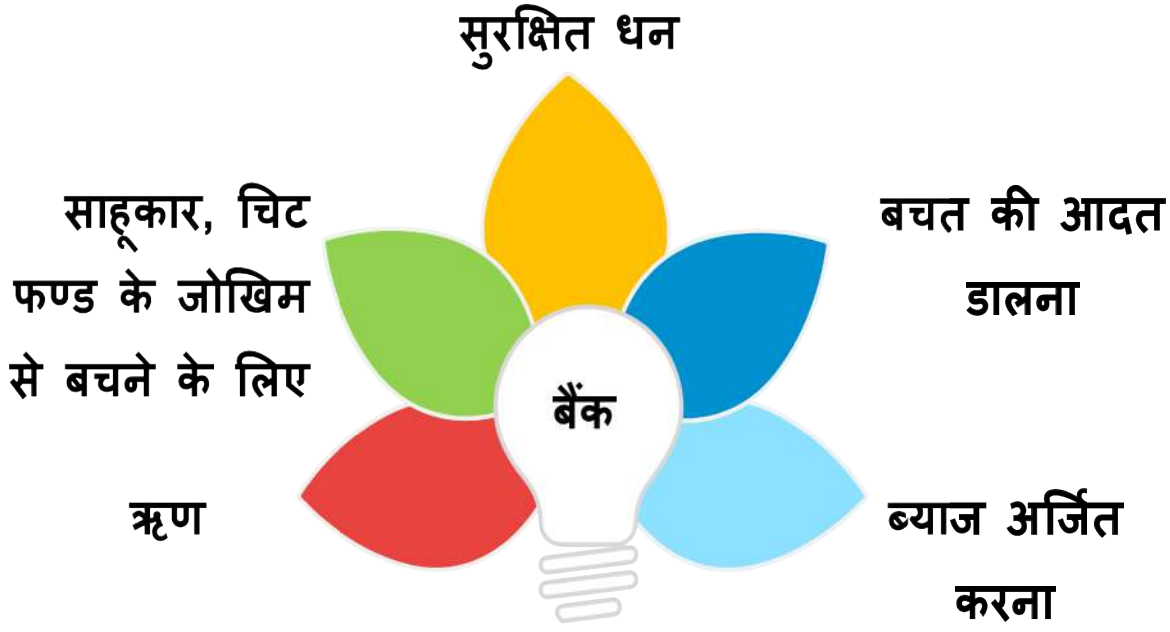

बैंक व उनके कार्य

बैंक खाता खोलने के लिए दस्तावेज

पासपोर्ट

पेन कार्ड

ड्राइविंग लाइसेंस

कोई आधिकारिक दस्तावेज न होने की स्थिति में
बैंक अधिकारी की उपस्थिति में अंगूठे का निशान या हस्ताक्षर एवं हाल का फोटोग्राफ प्रस्तुत कर "**लघु खाते**" खोले जा सकते हैं ।

आधार कार्ड

मतदाता पहचान पत्र

फोटोग्राफ

मनरेगा कार्ड

बैंक अकाउंट के प्रकार

प्रश्न :

1. **चित्र दिखा कर पूछे की बचत क्या है।**
2. **बचत बचत क्यों आवश्यक है?**
3. **बचत कहाँ व कैसे करना चाइये।**
4. **घर में नकदी रखने के जोखिम क्या है।**
5. **बैंक क्यों आवश्यक है?**
6. **चित्र दिखा कर पूछे की बैंक क्या है इसके कार्य बताइए?**
7. **बैंक खाता खोलने के लिए लगने वाले आवश्यक दस्तावेज कौन-कौन से है।**
8. **चित्र दिखा कर पूछे की बैंक अकाउंट कितने प्रकार के होते?**
9. **चित्र दिखा कर पूछे की बैंकिंग उत्पाद कौन-कौन से होते है।**

ट्रेनर को सदस्यों से अपेछित उत्तर जानने के बाद निम्न तरह से व्याख्या करना चाहिये -

1. **बचत - सामान्य अर्थों में बचत का अर्थ धन को संरक्षित करने यथा- बैंक में रखने, निवेश करने इत्यादि से लगाया जाता है। लेकिन व्यापक अर्थ में 'बचत' शब्द खर्च घटाने, संसाधन बचाने जैसी आर्थिक गतिविधियों के लिए प्रयुक्त होता है। सामान्यत बचत के तीन स्त्रोत होते है-व्यकित, परिवार,व्यापार।**

   व्यकितगत बचत मे आय तथा व्यय के अंतर को निकाल लिया जाता है । पारिवारिक बचत मे समस्त आय मे से घरेलू खर्च को निकाल दिया जाता है। व्यापारिक बचत मे लाभ मे से करों को निकाल दिया जाता है। व्यक्तिगत बचत,पारिवारिक बचत तथा व्यापारिक बचत को निजी बचत कहते है

2. बैंक उस वित्तीय संस्था को कहते हैं जो जनता से धन जमा करने तथा जनता को उनकी जमा धनराशि पर ब्याज, उनके द्वारा मांगी गयी धनराशि पर ऋण देने का कार्य करती है और यह व्यवसाय करने वाली संस्था को बैंक कहा जाता है।

3. बैंक अकाउंट के प्रकार

a. बचत खाता: सबसे पहले बात बचत खाता की। बचत खाता जैसा कि नाम से ही साफ़ है, बचत को महफूज रखने के लिए खोला जाता है। बैंक में एक निश्चित राशि जमा कर बचत खाता खोल दिया जाता है। यूँ तो इस खाता में जब चाहे तब पैसा जमा कराया जा सकता है, लेकिन ठहरिये, आपको बता दें कि अगर आप इस खाते से पैसा निकालने चलेंगे तो उसके कुछ कायदे कानून निर्धारित किये गए हैं। मसलन-आप 6 महीने में 30 से अधिक बार पैसे नहीं निकाल सकते। यह खाता खोलते वक़्त बैंक आपको चेक बुक, डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग आदि सुविधाएँ देता है। इस खाते को व्यक्तिगत लेन - देन के लिए खोला जाता है। एक दिन में आप इसके जरिये 5 लेन देन कर सकते हैं। उससे ज्यादा के लिए बैंक चार्ज = वसूलता है। इस खाते को सिंगल या सयुक्त खाते के तौर पर भी खोला जा सकता है। इस खाते की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें जमा राशि पर बैंक ब्याज देता है, जिसकी दर 4 से 6 % के बीच है।

b. चालू खाता: ज्यादातर व्यापार फर्म, कंपनी, उद्योग, या सोसायटी खाता चालू खाता के ही खोलती हैं। इसमें एक दिन में लेन-देन की संख्या या राशि की कोई सीमा नहीं होती। न ही खाता के राशि पर कोई ब्याज ही ज्यादातर बैंक देते हैं। यह निरंतर चलता है, इसलिए इस खाता को चालू खाता नाम से भी पुकारा जाता है। इस खाता को चालू रखने के लिए इसमें एक न्यूनतम राशि रखना जरूरी होता है, वर्ना जुर्माना लगा दी जाती है। यह खाता बंद भी कर दिया जाता है। बैंक इस खाता को बनाए रखने करने के लिए खाताधारक से सेवा शुल्क भी वसूलता है। इसमें बैंक हालाँकि व्यापारी को ओवरड्राफ्ट की सुविधा भी देता है।

c. आवर्ती जमा खाता: जिन लोगों के पास महीने में जमा करने के लिए कोई fixed रकम नहीं होती वह RD करते हैं। अपनी छोटी छोटी बचत को खाता में जमा करते हैं। इस खाता की खूबी यह है कि इसमें ब्याज दर ऊंची होती है। खाताधारक को जमा पर अधिक ब्याज दर का लालच होता है। जो उन्हें RD करने पर मजबूर कर देता है। यह ब्याज अलबत्ता आम तौर पर बचत खाता से ज्यादा, लेकिन FD से कम होता है। इसको न्यूनतम 100/- के साथ भी शुरू किया जा सकता है। इस खाता को अकेले या सयुक्त खाते की तरह भी चला सकते हैं। आपको यह भी बता दें कि इसमें जमा की अवधि न्यूनतम 6 महीने और अधिकतम 10 साल हो सकती है। इस खाता से राशि को निकाला नहीं जा सकता, अलबत्ता चाहें तो समय से पहले बंद कराया जा सकता है। इसके लिए बैंक को आवेदन दी जाती है, जिसके बाद बैंक इस खाता को बंद करने की मंजूरी देता है।

d. सावधि जमा खाता : सावधि जमा खाता भी भारत में एक लोकप्रिय खाता है। जिन लोगों को अपनी रकम निकालने की कोई जल्दी नहीं होती। वह रकम पर ब्याज के लिए FD

खाता को प्राथमिकता देते हैं। ज्यादातर यह खाता अवकाश ग्रहण किये हुए लोग या मध्यम परिवार को तरजीह करती हैं, जिनका उद्देश्य आगे चलकर बच्चों की शादी, या पढाई के लिए बचत करना है। वक़्त पड़ने पर या जरुरत पर भी वह FD तोड़कर इस्तेमाल करते हैं। इस खाता में न्यूनतम 7 दिन यानी एक सप्ताह से लेकर 10 साल तक amount फिक्स करने की सुविधा होती है। FD पर खाताधारक को बैंक की ओर से ब्याज भी दिया जाता है। अलबत्ता, FD परिपक्व होने से पहले अगर आप जमा रकम को निकलना चाहते हैं तो बैंक इस पर जुर्माना भी लगाता है। इसकी दर खुद बैंक तय करता है।

केस स्टडी -

- "उड़ान" - साक्षरता भारत वित्तीय साक्षरता उड़ान वृत्तचित्र
- सुखी और दुखी वित्तीय योजना

संसाधन की उपलब्धता आधार पर वीडियो दिखाएं व इस पर चर्चा करे।

वीडियो दिखाते समय इसे बीच - बीच में रोक -रोक कर इस पर समझ बनाने की कोशिश करें।

समय अवधि: 60 मिनट

इस केस स्टडी का लिंक:

- https://youtu.be/t6Ab0vASi-8 - "उड़ान"
- https://youtu.be/yXQHiFyQC8w - सुखी और दुखी वित्तीय योजना

पूछें: वीडियो दिखाने के उपरान्त पूछे जाने वाले प्रश्न:-

प्रश्नावली:

- वीडियो देख कर आपने क्या समझा व जाना
- बैंक क्या है और क्यों आवश्यक है?
- बैंक के कार्य बताइए?
- बैंक खाता खोलने के लिए लगने वाले आवश्यक दस्तावेज कौन-कौन से है।
- बैंक अकाउंट कितने प्रकार के होते?
- बैंकिंग उत्पाद कौन-कौन से होते है।
- सरकार की और कौन कौन सी बैंकिंग योजना है

अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए वित्तीय समावेशन योजनाएं

वित्तीय समावेशन (फाइनेंशयल इन्क्लूजन) का मतलब समाज के पिछड़े एवं कम आय वाले लोगों को वित्तीय सेवाएँ प्रदान करना है। कुछ प्रमुख वित्तीय सेवाएं हैं - ऋण, भुगतान और धनप्रेषण सुविधाएं और मुख्यधारा के संस्थागत खिलाड़ियों द्वारा उचित और पारदर्शी ढंग से वहनीय लागत पर बीमा सेवा।

उद्देश्य : स्व-सहायता समूह के सदस्यों में वित्तीय समावेशन व उनके प्रबंधन की प्रक्रिया, दिक्कते एवं समस्या के समाधान के प्रति जागरूकता उत्पन करना है।

तथ्य / विषय

- **बैंक खाता**
- **ऋण**
- **बीमा सेवा**
- **चैक बुक**

प्रक्रिया प्रशिक्षण सामग्री

1. फ्लिप चार्ट 2.मार्कर, 3.ओवरहेड प्रोजेक्टर 4.सैंपल बीमा पॉलिसी, 5.सैंपल जन धन खाता 6. दृश्य-श्रव्य सामग्री

समय अवधि: 50 मिनट

प्रशिक्षण का तरीका

- **रोल प्ले**
- **वित्तीय समावेशन प्रशिक्षण का तरीका, बड़े समूह में परिचर्चा, व्याख्यान, वीडियो, प्रश्न - उत्तर, खेल । ट्रेनर को उपरोक्त तरीका प्रयोग करने का निर्देश -**

सामाजिक सुरक्षा योजना

Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojana

दुर्घटना बीमा कवरेज रू.2 लाख तक प्रीमियम राशि रू.12 प्रति वर्ष प्रति सदस्य (आयु 18-70 वर्ष)

Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana

जीवन बीमा कवरेज रू.2 लाख तक प्रीमियम रू.330/- प्रति वर्ष प्रति सदस्य (आयु 18-50 वर्ष)

Atal Pension Yojana

सुनिश्चित पेंशन रू.1000/- से रू.5000/- तक (आयु 18-40 वर्ष)

पेंशन

सेवा निवृत्ति के बाद व्यय के लिए अलग से धन स्थापित करने की योजना

पीपीएफ

पब्लिक प्रोवीडेंट फण्ड बचत एवं आयकर बचत विलेख है. यह आयकर लाभ एवं संयुक्त उचित रिटर्न के साथ निवेश प्रदान कर लघु बचत की पेशकश है.

PPF
PENSIONS FUND

बीमा

जीवन बीमा

गैर जीवन बीमा

बीमा क्या है ?

भावी हानि के विरुद्ध सुरक्षा

एक अनुबन्ध जिसमें एक व्यक्ति किसी कम्पनी को नियमित भुगतान करता है, यदि कोई व्यक्ति घायल या उसकी मृत्यु हो जाती है तो कम्पनी बीमित राशि तक भुगतान करने का वायदा करती है । (आवास या कार के संबंध में)यदि वह नष्ट, चोरी या खो जाती है तो उसके मूल्य के बराबर राशि का भुगतान करती है ।

प्रश्न

1. **चित्र दिखा कर पूछे की वित्तीय समावेशन क्या है।**
2. **वित्तीय समावेशन की आवश्यकता क्यों है?**
3. **चित्र दिखा कर पूछे की वित्तीय समावेशन में सामाजिक सुरक्षा योजना क्या है?**
4. **चित्र दिखा कर पूछे की प्रधानमंत्री जन धन योजना क्या है?**
5. **चित्र दिखा कर पूछे की बीमा क्या है और कौन-कौन से होते है।**

ट्रेनर को सदस्यों से अपेछित उत्तर जानने के बाद निम्न तरह से व्याख्या करना चाहिये -

1. **वित्तीय समावेशन की आवश्यकता : समाज का एक बड़ा हिस्सा अभी भी बैंक रहित है। बिना बैंक वाले लोग ऐसे लोग हैं जिनके पास केवल मूल लेनदेन बैंक खाते हैं। ये ऐसे लोग हैं, जिन्होंने लेनदेन करने के लिए पारंपरिक उपकरण सुरक्षित किए हैं लेकिन यह डिजिटल निगमन के लिए पर्याप्त नहीं हैं। इसने उन कम आय वाले लोगों के बीच वित्तीय अस्थिरता और गरीबी को उत्पन्न किया है जिनके पास वित्तीय सेवाओं और उत्पादों की पहुँच नहीं है। यहाँ बहुत कम बैंक हैं, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, कि ये बिना बैंक वाले उपयोगकर्ता या तो नकदी या चैक में लेनदेन करते हैं, जो उन्हें चोरी और धोखाधड़ी के प्रति कमजोर बना देता है।**
2. **सामाजिक सुरक्षा योजना: (प्रधानमंत्री जन धन योजना एवं बीमा योजना)**
   - **प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाय) का शुभारंभ माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 28 अगस्ते 2014 को किया गया । योजना ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रो के सभी परिवारों के बैंक खाते खोलने पर केन्द्रित है। 10 वर्ष की आयु से अधिक का अवयस्क किसी भी बैंक मे अपना बचत बैंक खाता खोल सकता/सकती है। रूपे डेबिट कार्ड ग्राहकों को रू. 1.00 लाख का दुर्धटना बीमा बिना किसी अतिरिक्तण प्रभार के उपलब्धर कराता है। दुर्धटना बीमा कवर का लाभ लेने के लिए, रूपे डेबिट कार्ड प्रत्येकक 45 दिनों के भीतर एक बार उपयोग किया जाना चाहिये । परिवार के एक खाताधारक को 6 माह तक खाते के संतोषजनक परिचालन के बाद रू. 5000/- की अधिविकर्ष सुविधा उपलब्धब है ।**
   - **प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना : पीएमएसबीवाय खातेदारों की मृत्यु पर रू.2.00 लाख तक मृत्युए दुर्धटना बीमा और अपंगता कवर उपलब्धा कराती है, 18 से 70 वर्ष आयु वर्ग के सभी बचत खाता धारक इस योजना मे रू. 12/- प्रीमियम प्रति सदस्यत एवं रू. 12/- वार्षिक नवीनीकरण प्रीमियम सहित पात्र है ।**
   - **प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना : पीएमजेजेबीवाय ,किसी भी कारण से मृत्यु होने पर रू.2.00 लाख जीवन बीमा कवर उपलब्ध कराने वाली योजना है। बैंक शाखाओं /बैंक मित्र के पास उपलब्ध । 18 से 50 आयु वर्ग के सभी बचत खाता धारक इसके लिये पात्र हैं । प्रीमियम रू 330/- प्रति वर्ष प्रति सदस्य है जिसका नवीनीकरण प्रतिवर्ष किया जाना है।**
   - **अटल पेंशन योजना: सुनिश्चित पेंशन रु.1000/- से रु.5000/- तक (आयु 18-40 वर्ष)**

3. बीमा: एक अनुबन्ध है जिसमें एक व्यक्ति किसी कम्पनी को नियमित भुगतान करता है, यदि कोई व्यक्ति घायल या उसकी मृत्यु हो जाती है तो कम्पनी बीमित राशि तक भुगतान करने का वायदा करती है । (आवास या कार के संबंध में) यदि वह नष्ट, चोरी या खो जाती है तो उसके मूल्य के बराबर राशि का भुगतान करती है । यह दो प्रकार का होता है - १. जीवन बीमा २. गैर जीवन बीमा

केस स्टडी -

- "वित्तीय समावेशन एनिमेटेड" फिल्म
- गिन्नी एक समाजदार दोस्त एनिमेटेड" फिल्म

संसाधन की उपलब्धता आधार पर वीडियो दिखाएं व इस पर चर्चा करे।
वीडियो दिखाते समय इसे बीच - बीच में रोक -रोक कर इस पर समझ बनाने की कोशिश करें।
समय अवधि: 60 मिनट

इस केस स्टडी का लिंक:

- https://youtu.be/4nqZ2NQS4Xo - "वित्तीय समावेशन एनिमेटेड फिल्म"
- https://youtu.be/6x2FQXnM5Sc - वित्तीय समावेशन पर फिल्म: गिन्नी एक समझदार दोस्त

पूछें: वीडियो दिखाने के उपरान्त पूछे जाने वाले प्रश्न:-

प्रश्नावली:

1. चित्र दिखा कर पूछे की वित्तीय समावेशन क्या है।
2. वित्तीय समावेशन की आवश्यकता क्यों है?

डिजिटल वित्तीय साक्षरता

डिजिटल वित्तीय / नगदीरहित अर्थव्यवस्था ऐसी अर्थव्यवस्था एवं ऐसा समाज है जहां नगदी का लेन-देन कम से कम हो और लोग डिजिटल तरीकों का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करें। देश में नगदीरहित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने हेतु लोगों को प्रोत्साहित तथा जागरूक करना है।

उद्देश्य : स्व-सहायता समूह के सदस्यों में डिजिटल वित्तीय समावेशन व उनके प्रबंधन की प्रक्रिया, दिक्कते एवं समस्या के समाधान के प्रति जागरूकता उत्पन करना है।

तथ्य / विषय :

- **कार्ड्स**
- **USSD-यूएसएसडी**
- **AEPS-एईपीएस**
- **UPI-यूपीआइ**
- **वॉलेट**

प्रक्रिया प्रशिक्षण सामग्री :

1. फ्लिप चार्ट 2.मार्कर, 3.ओवरहेड प्रोजेक्टर 4.एटीएम कार्ड, 5.मोबाइल बैंकिंग सेट 6. दृश्य-श्रव्य सामग्री

समय अवधि: 50 मिनट

प्रशिक्षण का तरीका :

- **रोल प्ले**
- **डिजिटल वित्तीय प्रशिक्षण का तरीका, बड़े समूह में परिचर्चा, व्याख्यान, वीडियो, प्रश्न - उत्तर, खेल । ट्रेनर को उपरोक्त तरीका प्रयोग करने का निर्देश -**

बैंकिंग सेवा डिलीवरी चैनल

एटीएम

एटीएम/रूपे कार्ड द्वारा
नकदी निकासी

सूक्ष्म एटीएम के साथ बैंक मित्र

खाता खोलना, नकदी जमा/निकासी ,
निधि अंतरण

शाखा

सभी बैंक सेवाएं

बिक्री केन्द्र

खरीदारी एवं
सीमित नकदी
निकासी

मोबाईल बैंकिंग

निधि अंतरण,
बिल भुगतान

इंटरनेट बैंकिंग

निधि अंतरण, बिल
भुगतान, ऑनलाइन
खरीदारी, टिकिट

मोबाईल मनीबैग

मोबाईल पर आधारित
वास्तविक मनीबैग,
ऑनलाइन एवं ऑफ
लाइन खर्चों के लिए
पूर्वभारित राशि

नेशनल इलेक्ट्रानिक निधि अंतरण(नेफ्ट)

किसी भी राशि तक अंतर बैंक
अंतरण

रीयल टाइम ग्रास सेटलमेंट(आरटीजीएस)

रू.2 लाख या उससे अधिक
अंतर बैंक अंतरण

Digital India — Power To Empower

Ministry of Electronics and Information Technology, Government of India

Digital PAYMENT abhiyan

DSCI | Google

सुरक्षित और आसान डिजिटल पेमेंट्स के लिए गाइड

#DigitalPaymentHarBaar
#SaralAurSurakshit

अधिक जानें: dsci.in/digital-payment-abhiyan

डिजिटल वॉलेट

ध्यान देने योग्य बिन्दु

- वॉलेट एप को नए फंक्शन और सुरक्षा सुविधाओं के साथ अपडेट रखें। हमेशा नवीनतम संस्करण में अपडेट करें

सर्वोत्तम प्रक्रियाएं

- हमेशा वैध एप्लिकेशन स्टोर से प्रामाणिक एप इनस्टॉल करें
- धनराशि स्थानांतरित करने से पहले लाभार्थी के मोबाइल नंबर/आईडी की दोबारा जांच करें
- अतिरिक्त सुरक्षा के लिए एप को विशिष्ट पिन/पासवर्ड/बायोमेट्रिक द्वारा सुरक्षित रखें
- हर लेनदेन की पुष्टि एसएमएस से सत्यापित करें और विसंगतियों को रिपोर्ट करें

सावधानी

सभी वॉलेट के लिए एक ही पिन/पासवर्ड रखना जोखिम भरा है। इसलिए अलग-अलग पिन/पासवर्ड रखें

ऑनलाइन एवं मोबाइल बैंकिंग

ध्यान देने योग्य बिन्दु

- ऑनलाइन एवं मोबाइल बैंकिंग आपको 'बैंक-टू-बैंक' धन स्थानान्तरण के साथ साथ ऑनलाइन भुगतान करने की अनुमति देता है
- आप लगातार भुगतान/स्थानान्तरण के लिए प्राप्तकर्ता को पंजीकृत कर सकते हैं तथा लाभार्थियों को जोड़ भी सकते हैं

सर्वोत्तम प्रक्रियाएं

- सुनिश्चित करें कि ऑनलाइन बैंकिंग वेबसाइट एचटीटीपीएस द्वारा सुरक्षित है
- ऑनलाइन भुगतान करने के लिए असुरक्षित/खुले वाई-फाई नेटवर्क का उपयोग न करें
- केवल वैध एप्लिकेशन स्टोर से मोबाइल बैंकिंग एप डाउनलोड करें
- नेट बैंकिंग/मोबाइल एप्लिकेशन पासवर्ड कुछ समय के अंतराल पर बदलते रहें और अपने फोन में गोपनीय जानकारी कभी नहीं लिखें

सावधानी

अपने ऑनलाइन बैंकिंग सत्र से लॉगआउट करना कभी न भूलें। उन्हें कभी भी उपेक्षित न छोड़े

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई)

BHIM — BHARAT INTERFACE FOR MONEY | UPI — UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

ध्यान देने योग्य बिन्दु

- यूपीआई पंजीकरण के लिए इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर बैंक खाता के साथ अवश्य जुड़ा होना चाहिए
- यूपीआई में, आप धनराशि प्राप्त करने के लिए 'मनी रिक्वेस्ट' अनुरोध के रूप में भी भेज सकते है

सर्वोत्तम प्रक्रियाएं

- अपने एम-पिन/ओटीपी /पासवर्ड को गोपनीय रखें और कभी भी किसी के साथ साझा न करें। कोई ग्राहक सेवा केंद्र आप से इसके बारे में नहीं पूछेगा
- वेब पर असत्यापित या गैर-विश्वसनीय स्रोतों से यूपीआई-आधारित एप्लीकेशन इनस्टॉल न करें
- अज्ञात / संदिग्ध स्रोतों से 'मनी रिक्वेस्ट' को अस्वीकार करें। राशि का भुगतान करने से पहले हमेशा जांच पड़ताल करें
- धनराशि भेजने और विशेष रुप से 'मनी रिक्वेस्ट' अनुरोध का अनुमोदन करते समय लाभार्थी का सत्यापन अवश्य करें।

सावधानी

आपको अपने खाते में धनराशि प्राप्त करने के लिए यूपीआई पिन दर्ज करने की जरुरत नहीं है। धोखेबाजों से सावधान रहें।

क्रेडिट एवं डेबिट कार्ड

DEBIT & CREDIT

ध्यान देने योग्य बिन्दु

- सुनिश्चित करें कि आप अतिरिक्त सुरक्षा सुविधाओं के लिए चिप एवं पिन आधारित कार्ड का ही उपयोग करें

सर्वोत्तम प्रक्रियाएं

- अपने कार्ड को सुरक्षित रखें और कभी भी किसी के साथ सीवीवी एवं क्रेडिट/डेबिट कार्ड पिन साझा न करें
- कार्ड खो जाने/चोरी होने की जानकारी तुरंत जारीकर्ता को रिपोर्ट करें तथा कार्ड को ब्लॉक करें
- अज्ञात स्रोतों से ईमेल/एसएमएस/व्हाट्सएप संदेशों पर प्राप्त संदिग्ध भुगतान लिंक या कॉल आदि के बारे में सतर्क रहें
- हमेशा भुगतान पर्ची या प्राप्त एसएमएस के साथ लेनदेन की राशि का मिलान करें

सावधानी

कार्ड के विवरण के बारे में बैंक आपसे कभी भी सीवीवी, कार्ड समाप्ति की तारीख, पिन या अन्य संवेदनशील जानकारी नहीं पूछेगा। ये जानकारी कभी भी साझा न करें

अभियान के भागीदार

airtel Payments Bank, AXIS BANK, BharatPe, C.I.D KARNATAKA, G Pay, HDFC BANK (We understand your world), ICICI Bank, iMAHILA, mastercard, NPCI, NABARD, PayPal, Paytm Payments Bank, PayU, SBI, VISA

dsci.connect | DSCI_Connect | data-security-council-of-india | dscivideo

प्रश्न :

1. **चित्र दिखा कर पूछे की डिजिटल वित्तीय / कैशलेस क्या है।**
2. **डिजिटल वित्तीय / कैशलेस की आवश्यकता क्यों है?**
3. **चित्र दिखा कर पूछे की बैंकिंग सेवा वितरण चैनल कौन-कौन से है और इसका क्या रोल है ।**
4. **चित्र दिखा कर पूछे की डिजिटल भुगतान के माध्यम कौन-कौन से है और इसका क्या रोल है?**
5. **चित्र दिखा कर पूछे की ई-वॉलेट, आधार सक्षम भुगतान प्रणाली, अन्स्ट्रक्चर्ड सप्लिमेंटरी सर्विस डाटा क्या है?**

ट्रेनर को सदस्यों से अपेछित उत्तर जानने के बाद निम्न तरह से व्याख्या करना चाहिये -

1. **डिजिटल भुगतान के माध्यम UPI पेमेंट, ऑनलाइन मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल वॉलेट, क्रेडिट व डेबिट कार्ड पेमेंट।**
2. **वर्तमान में डिजिटल भुगतान के कई तरीके हैं। इसमें से सबसे ज्यादा प्रचलित डेबिट या क्रेडिट कार्ड के जरिए पेमेंट करना है।**
3. **UPI का अर्थ है यूनिफाइड पेमेंट्स इंटर्फेस। यह उपयोगकर्ता के स्मार्टफोन से तुरंत इलेक्ट्रॉनिक भुगतान की प्रणाली है। यह इमीजिएट पेमेंट सर्विस (IMPS) का उन्नत संस्करण है जो बैंक खातों के बीच धनराशि ट्रांस्फर करने के लिए उपयोग में लाई जाती थी।**
4. **E-वॉलेट इलेक्ट्रॉनिक वॉलेट को दर्शाता है। यह एक प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक कार्ड होता है जिसका उपयोग कम्प्यूटर या स्मार्ट्फोन के ज़रिए ऑनलाइन लेनदेन के लिए किया जाता है। ई-वॉलेट की उपयोगिता क्रेडिट या डेबिट कार्ड की तरह ही है। भुगतान करने के लिए ई-वॉलेट को व्यक्ति के बैंक खाते के साथ लिंक करने की आवश्यकता होती है। ई-वॉलेट का मुख्य उद्देश्य है कागज़ रहित धनराशि स्थानांतरण को अधिक आसान बनाना।**
5. **AEPS का अर्थ है आधार सक्षम भुगतान प्रणाली । यह एक भुगतान सेवा है जो बैंक ग्राहक को अपने आधारकार्ड संबंधी पहचान से सम्बन्धित आधार सक्रिय बैंक खाते तक पहुंच बनाने एवं सामान्य बैंकिंग लेनदेन की सुविधा प्रदान करती है। यह बैंकिंग कॉरस्पॉडेंट (BC) की सहायता से PoS (MicroATM) पर बैंक-से-बैंक लेनदेन की अनुमति देती है। उपयोगकर्ता को बैंक में या BC की सहायता से अपने अकाउंट के लिए आधार नम्बर देना होता है। उपयोगकर्ता बगैर PIN या पासवर्ड के किसी भी AEPS बिन्दु पर मनचाही संख्या में लेनदेन कर सकता है।**
6. **USSD का अर्थ है अन्स्ट्रक्चर्ड सप्लिमेंटरी सर्विस डाटा। यह एक सेवा है जिसका उद्देश्य बैंकिंग को देश के हर आम नागरिक तक ले जाना है। यह सेवा प्रत्येक ग्राहक को टेलीकॉम सेवा प्रदाता, मोबाइल सेट निर्माता या क्षेत्र से प्रभावित बिना एक ही नम्बर से बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच प्रदान करती है। यह नेशनल यूनिफाइड USSD प्लेटफ़ॉर्म (NUUP) के ज़रिए एक**

शॉर्ट कोड *99# पर प्रदान की जाती है। इसे प्रतिदिन प्रति ग्राहक रु.5000 भुगतान के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

केस स्टडी -

- ❖ डिजिटल वित्तीय साक्षरता | यूपीआई भुगतान

संसाधन की उपलब्धता आधार पर वीडियो दिखाएं व इस पर चर्चा करे।
वीडियो दिखाते समय इसे बीच - बीच में रोक -रोक कर इस पर समझ बनाने की कोशिश करें।
समय अवधि: 60 मिनट

इस केस स्टडी का लिंक:

- ❖ https://youtu.be/2D1AWeA4SI4 - डिजिटल वित्तीय साक्षरता | यूपीआई भुगतान

पूछें: वीडियो दिखाने के उपरान्त पूछे जाने वाले प्रश्न:-
प्रश्नावली:

1. डिजिटल वित्तीय / कैशलेस क्या है।
2. डिजिटल पेमेंट्स के माध्यम कौन-कौन से है और इसका क्या रोल है?
3. यूपीआई भुगतान कैसे होता है।

सेंटर ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (सीटेड)

इ-६, सेक्टर-२१, इंडस्ट्रियल एरिया, जगदीशपुर जिला - अमेठी, उत्तर प्रदेश - २२७८१७,

फोन न. - +91-9415046619, 05361 - 270320, ईमेल - ctedinfo@gmail.com